दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 20 अप्रैल 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 201

महत्वपूर्ण एवं खास

चेन्नई में 70 साल पुरानी इमारत गिरी, कई लोग मलबे में दबे, मची चीख-पुकार

चेन्नई (आरएनएस)। चेन्नई में बुधवार को 70 साल पुरानी एक इमारत ढग गई। इस घटना में दो लोग घायल हो गए और उन्य चार लोग मलबे में फंसे हुए बताए जा रहे हैं। घटना के दौरान चीख-पुकार मच गई। इमारत का जीर्णोद्धार किया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पैरी कॉर्नर में इमारत के पास दो व्यक्ति खड़े थे जब यह गिरी। उन्हें गवर्नमेंट स्टेनली मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। चेन्नई पुलिस के सूत्रों ने बताया कि मलबे को हटाने और अंदर फंसे चार लोगों को निकालने के लिए अर्थ मूवर्स लाए गए हैं। चेन्नई के उप महापौर मगेश कुमार ने बताया कि इमारत के अंदर 10 लोग काम कर रहे थे और छह लोग ढहने से पहले बाहर आ गए थे। डिप्टी मेयर ने कहा कि आसपास के अन्य पुराने भवनों की स्थिरता का भी ऑडिट किया जा रहा है।

अस्पताल में लगी भीषण आग, 21 लोग जिंदा जले- कइयों ने इमारत से कूद कर बचाई जान

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में एक दर्दनाक घटना घटी है। यहां एक अस्पताल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। आग किस कारण से लगी, फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बचाव के प्रयास दो घंटे तक जारी रहे, इस दौरान राजधानी शहर के फेंगताई जिले के बीजिंग चांगफेंग अस्पताल से 71 मरीजों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि कई लोगों ने तो रस्सियों को पकड़ कर इमारत से कूद कर अपनी जान बचाई। आग में झुलसे लोगों की संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने के फौरन बाद शहर के शीर्ष अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीड़ितों को आपातकालीन उपचार के लिए दूसरे अस्पताल ले जाया गया। चांगफेंग अस्पताल तियानमेन स्क्वायर के करीब बीजिंग के पश्चिमी शहरी क्षेत्र में स्थित है।

बिहार के सारण में सरकारी कर्मचारियों के दफ्तर में जींस पहनने पर रोक!

पटना (आरएनएस)। बिहार के सारण जिले के जिलाधिकारी ने कार्यालय में सभी सरकारी कर्मचारियों के जींस पहनने पर रोक लगा दी है। कर्मचारियों को पहचानपत्र गले में पहनने को भी कहा गया है, ताकि आसानी से उनकी पहचान की जा सके। उन्हें औपचारिक पोशाक पहनने और सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक काम के घंटों के दौरान कार्यालयों में रहने के लिए कहा गया है। पहल का विचार कार्यालयों में कार्य संस्कृति को बदलना है। जिलाधिकारी ने कहा कि वे विशेष विभागों का औचक निरीक्षण करेंगे और निर्देश की स्थिति जानने के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग या वीडियो कॉलिंग भी कर सकते हैं। उन्होंने कर्मचारियों को नए दिशानिर्देशों, विशेष रूप से ड्रेस कोड का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है और कहा है कि उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाएगा।

आज से बुलेटप्रूफ फॉर्च्यूनर में चलने लगे सीएम धामी

देहरादून (आरएनएस)। इंटेलिजेंस इनपुट के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी फ्लीट में परिवर्तन किया है। मुख्यमंत्री ने आज से बुलेट प्रूफ फॉर्च्यूनर कार में सफर शुरू कर दिया है। इससे पहले वह सामान्य तौर पर इनोवा कार से चलते थे। बुलेटप्रूफ कार फॉर्च्यूनर मुख्यमंत्री की फ्लीट में ही रहती थी। लेकिन इसके शीशे मूव ना होने के कारण इसमें सवार व्यक्ति किसी बाहरी व्यक्ति से बात नही कर सकता जबकि धामी विन्रम व मिलनसार स्वभाव के होने के कारण इसमें चलना पसंद नहीं करते थे। ये फॉर्च्यूनर कार त्रिवेंद्र सरकार के दौरान आई थी जिसका उपयोग त्रिवेंद्र सिंह रावत कभी-कभी करते थे। वहीं तीरथ सिंह रावत जब मुख्यमंत्री बनकर आए तो उन्होंने इस कार से चलना बंद कर दिया और इनोवा से चलते थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद पुष्कर सिंह धामी भी इनोवा से ही चलते रहे, लेकिन अब इंटेलिजेंस की इनपुट के चलते मुख्यमंत्री को बुलेट प्रूफ कार में बैठना पड़ रहा है।

गैर-अनुसूचित क्षेत्रों के लिए 'मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि' योजना का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज करेंगे शुभारंभ

- ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा का होगा संरक्षण
- 61 विकासखंड सामुदायिक क्षेत्रों के 6111 ग्राम पंचायतों में लागू होगी योजना
- प्रत्येक ग्राम पंचायत को दो किश्तों में मिलेगी 10-10 हजार रूपए की राशि
- योजना के क्रियान्वयन के लिए होगी ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति
- त्यौहारों में राशि का उपयोग का निर्धारण करेगी ग्राम स्तरीय शासी निकाय समिति

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन द्वारा प्रदेश के सामुदायिक विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों के तीज त्यौहार, संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी पर्व सम्मान निधि' योजना प्रारंभ की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 20 अप्रैल को इस योजना का शुभारंभ करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रियंका गांधी के विशिष्ट आतिथ्य में बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बीते 13 अप्रैल को आयोजित भरोसा सम्मेलन में मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री द्वारा 20 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रारंभ की जा रही एक और योजना का उद्देश्य प्रदेश के गैर-अनुसूचित ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करना और इन त्यौहारों, उत्सवों का मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखन करना है। सामुदायिक क्षेत्रों के गांवों में स्थानीय उत्सवों, त्यौहारों, मेला-मड़ई का विशेष महत्व रहता है। ऐसे सभी उत्सवों, त्यौहारों, सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध करायी जाएगी। योजना की ईकाई ग्राम पंचायत होगी।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को दो किश्तों में 10 हजार रूपए दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 61 विकासखंड सामुदायिक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह राशि केवल सामुदायिक विकासखण्ड क्षेत्र के 6 हजार 111 ग्राम पंचायतों को दी जाएगी।

योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति का गठन किया जाएगा। इसमें सरपंच (अध्यक्ष), पुजारी, बैगा सदस्य, ग्राम के 02 बुजुर्ग सदस्य, ग्राम की दो महिला सदस्य, ग्राम कोटवार, पटेल सदस्य एवं ग्राम सचिव को शामिल किया गया है।

अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास ने संबंधित जिलों के कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति के सदस्यों को मार्गदर्शन जनपद पंचायत स्तर से दिया जाय, जिससे राशि का समुचित उपयोग किया जा सके। गांव के किस-किस तीज त्यौहार के लिए इस राशि का उपयोग किया जायेगा, इसका निर्धारण ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति द्वारा किया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन की निगरानी, समन्वय संबंधी कार्य जनपद स्तरीय शासी निकाय द्वारा किया जाएगा।

जिला कलेक्टरों और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत से कहा गया है कि इस योजना का विस्तृत प्रचार-प्रसार करते हुए सर्व संबंधितों की जानकारी में लाया जाए ताकि योजना का लाभ प्रदेश के समस्त सामुदायिक विकासखण्डों के ग्रामीण समाज को प्राप्त हो सके।

रायगढ़ जिले के दो विकासखण्ड के 172 ग्राम पंचायतों में होगी योजना लागू

रायगढ़। मुख्यमंत्री द्वारा 20 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रारंभ की जा रही इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के गैर अनुसूचित ग्रामीण क्षेत्रों के तीज-त्यौहारों की संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करना और इन त्यौहारों, उत्सवों का मूल स्वरूप में आगामी पीढ़ी को हस्तांतरण तथा सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखन करना है। सामुदायिक क्षेत्रों के गांवों में स्थानीय उत्सवों, त्यौहारों, मेला-मड़ई का विशेष महत्व रहता है। ऐसे सभी उत्सवों, त्यौहारों, सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक ग्राम पंचायत को राशि उपलब्ध करायी जाएगी। योजना की ईकाई ग्राम पंचायत होगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत को दो किश्तों में कुल 10 हजार रूपए दिए जाएंगे। उक्त योजना जिले के दो विकासखण्ड रायगढ़ एवं पुसौर के कुल 172 ग्राम पंचायतों में लागू होगी। जिसमें रायगढ़ के 84 और पुसौर के 88 ग्राम पंचायत शामिल है। योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय शासी निकाय समिति का गठन किया जाएगा। इसमें सरपंच (अध्यक्ष), पुजारी/बैगा सदस्य, ग्राम के 02 बुजुर्ग सदस्य, ग्राम की दो महिला सदस्य, ग्राम कोटवार/ पटेल सदस्य एवं ग्राम सचिव को शामिल किया गया है।

महाराष्ट्र में मानव-बाघ संघर्ष को कम करने के लिए एआई-संचालित आभासी दीवार की पहल

नागपुर (आरएनएस)। ताडोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व (टीएटीआर) में उप निदेशक कुशाग्र पाठक के मार्गदर्शन में, सरकार ने मानव-बाघ संघर्ष के मुद्दे को हल करने के लिए अभिनव परियोजना लागू की है। परियोजना में आईओटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्लाउड सर्वर पर छवियों को प्रसारित करने में सक्षम कैमरों की स्थापना शामिल है, जहां एआई तंत्र का उपयोग करके प्रसंस्करण किया जाता है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग डेटाबेस के साथ प्राप्त छवि की तुलना करके बाघों की पहचान करने के लिए किया जाता है। मानव-बाघ संघर्ष शमन के मामले में, छवियों का उपयोग बाघ की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा, बाघ देखे जाने की स्थिति में वन अधिकारियों के लिए ईमेल और संदेशों के रूप में अलर्ट जारी किए जाते हैं।

कुशाग्र पाठक ने कहा कि वर्चुअल वॉल सिस्टम इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है। यह मानव-बाघ संघर्षों के जोखिम को कम करने और मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा।

यह परियोजना मानव-पशु संघर्षों को कम करने के लिए सरकार द्वारा की गई कई अभिनव पहलों में से एक है। इसी तरह की तकनीकों को देश के अन्य हिस्सों में लागू किया गया है, जैसे कि असम में हाथियों की आबादी की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग और महाराष्ट्र में तेंदुए की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए जीपीएस कॉलर का उपयोग।

सीतारामपेठ गांव में आभासी दीवार प्रणाली की स्थापना अभी शुरुआत है, क्योंकि टीएटीआर इस तकनीक को अन्य क्षेत्रों में दोहराने की योजना बना रहा है जो मानव-पशु संघर्षों से ग्रस्त हैं। एआई-संचालित आभासी दीवारों के उपयोग से पूरे देश में वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों में क्रांति लाने की क्षमता है। आशा है कि यह परियोजना समान चुनौतियों का सामना करने वाले अन्य क्षेत्रों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी, और मानव-पशु संघर्षों को कम करने के लिए अधिक नवीन समाधानों के विकास की ओर ले जाएगी।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड, कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 4 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजा

प्रयागराज (आरएनएस)। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में चार दिन बाद पुलिस ने बड़ी विभागीय कार्रवाई करते हुए पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। जिनमें शाहगंज थाने के एसओ अश्वनी कुमार सिंह के अलावा दो सब इंस्पेक्टर और दो कॉन्स्टेबल शामिल हैं।

वहीं, आरोपी लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्या को सीजेएम कोर्ट ने पुलिस रिमांड पर भेजा दिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) की ओर से सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर 7 दिनों की कस्टडी रिमांड मांगी गई थी। हालांकि सीजेएम कोर्ट ने तीनों आरोपियों की चार दिन की कस्टडी रिमांड की मंजूरी दी है। कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद अब 23, अप्रैल को आरोपियों को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को प्रतापगढ़ जेल से लाकर आज सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। आरोपियों की पेशी को लेकर जिला कोर्ट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। एसआईटी आरोपियों को कस्टडी में लेकर अब पूछताछ करेगी। एसआईटी विवेचना में सबूत जुटाएगी और क्राइम सीन रीक्रिएट करेगी। आज शाम मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय काल्विन ले जाकर एसआईटी क्राइम सीन रीक्रिएट कर सकती है। एसआईटी तीनों आरोपियों का बयान अदालत की अनुमति से दर्ज कर चुकी है।

भ्रष्टाचार के आरोपी पूर्व चीफ इंजीनियर की 38.29 करोड़ की संपत्तियां जब्त, ईडी ने की बड़ी कार्यवाई

रांची (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड सरकार के ग्रामीण कार्य विकास विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ की संपत्तियां बुधवार को जब्त कर ली। बीरेंद्र पर आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। बीते 21-22 फरवरी को ईडी ने उनके 24 ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी। इस दौरान 25 लाख रुपए कैश और डेढ़ करोड़ से भी ज्यादा के गहने बरामद किए गए थे। उन्हें ईडी ने पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। तब से वह रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं। ईडी की इस कार्रवाई के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

बुधवार को ईडी ने उनकी जिन संपत्तियों को जब्त किया है, उनमें उनके पिता गेंदा राम के नाम पर खरीदा गया फार्म हाउस और दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी में स्थित घर शामिल है। डिफेंस कॉलोनी में बनाया गया मकान उन्होंने अपनी पत्नी राजकुमारी के नाम पर खरीदा था। बीरेंद्र और उनके पिता इन मकानों की खरीद में इस्तेमाल की गई राशि का स्रोत नहीं बता पाए थे।

दिल्ली सहित अन्य शहरों में भी बीरेंद्र राम की बनायी गयी अचल संपत्ति को पीएमएलए एक्ट के तहत जब्त किया गया है। ईडी की जांच में इसका खुलासा हुआ था कि बीरेंद्र राम ने दिल्ली के छतरपुर की संपत्ति 18 करोड़ कैश देकर खरीदी थी जबकि इस संपत्ति का बाजार मूल्य 30 करोड़ के आसपास है। इस संबंध में ईडी ने प्रॉपर्टी के मालिक का बयान भी दर्ज किया है। इस प्रॉपर्टी की खरीद उन्होंने अपने पिता गेंदा राम के नाम पर की थी। जबकि गेंदा राम एक सेवानिवृत शिक्षक हैं। ईडी 22 अप्रैल से पहले इस मामले में बीरेंद्र राम और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर करेगी। एजेंसी ने पता लगाया है कि उन्होंने एक सौ करोड़ से भी अधिक की रकम अवैध तरीके से कमाई है।

दिल्ली की अदालत ने 2020 दंगों के मामले में पिता-पुत्र को दोषी करार दिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। यहां की एक अदालत ने 2020 के उत्तरी-पूर्वी दिल्ली दंगों के एक मामले में पिता-पुत्र को दंगा और आगजनी के लिए दोषी ठहराया है और कहा है कि अभियोजन पक्ष ने उनके खिलाफ उचित संदेह से परे आरोप साबित किए हैं। मिथुन सिंह और उनके बेटे जॉनी कुमार के खिलाफ मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) पुलस्त्य प्रमाचला कर रहे थे।

दोनों पर 25 फरवरी, 2020 को खजूरी खास में लेन नंबर 4 में कई संपत्तियों को आग लगाने वाली दंगाई भीड़ का हिस्सा होने का आरोप लगाया गया था।

न्यायाधीश ने कहा, मुझे लगता है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संदेह से परे यह साबित हो गया है कि वे उस भीड़ का हिस्सा थे, जिसने (शिकायतकर्ता शबाना खातून की) संपत्ति को जलाया था। इस प्रकार, उन्हें धारा 147 (दंगा), 148 (दंगा, दंगा, एक घातक हथियार से लैस) 436 (घर को नष्ट करने के इरादे से आग या विस्फोटक पदार्थ से शरारत, आदि) भारतीय दंड संहिता की धारा 149 (गैरकानूनी विधानसभा के प्रत्येक सदस्य को सामान्य वस्तु के अभियोजन में किए गए अपराध का दोषी) के तहत दोषी ठहराया जाता है।

अदालत ने 19 अप्रैल को हलफनामा दाखिल करने के लिए मामला पोस्ट किया, जिसके बाद सजा पर कार्यवाही शुरू होगी।

एएसजे प्रमाचला के अनुसार, जिन्होंने विभिन्न सार्वजनिक गवाहों के बयानों पर ध्यान दिया, एक विशिष्ट समुदाय की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के साझा लक्ष्य के साथ एक गैरकानूनी सभा की स्थापना की गई थी।

सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर एक्शन में भारत, सऊदी-यूएई ने बढ़ाया मदद को हाथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। सूडान में हिंसा की स्थिति पर भारत करीबी नजर रखे हुए हैं और वहां खास तौर से भारतीयों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका, ब्रिटेन, यूएन जैसे विभिन्न देशों के संपर्क में है। इसकी कड़ी में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंसाग्रस्त सूडान की स्थिति पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत की है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नह्यान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने यूएई के अपने समकक्ष के साथ सूडान की स्थिति को लेकर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नह्यान का सूडान की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए धन्यवाद। हमारा लगातार समन्वय मददगार है।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से भी बातचीत की। उन्होंने ट्वीट किया, 'सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फहरान से अभी-अभी बात की। हम करीबी सम्पर्क कायम रखेंगे।'

इस बीच, सरकारी सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने जयशंकर को जमीन पर व्यवहारिक समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ भी काम कर रहा है, जिसकी सूडान में पर्याप्त उपस्थिति है।

सरकार से जुड़े एक सूत्र ने कहा, 'सूडान में सडक़ों पर स्थिति बहुत तनावपूर्ण है और इस अवस्था में आवाजाही बहुत जोखिम भरी होती है। हमारी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा सुनिश्चत करना है, चाहे वे कहीं भी हों।' वहीं भारतीयों की स्थिति के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि सूडान के हालात पर विदेश मंत्रालय और दूतावास दोनों लगातार नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा चिंता को लेकर हमें विशिष्ट विवरण नहीं दे सकते।'

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में हमने एक समर्पित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उन्होंने कहा, 'हम खार्तूम में अपने दूतावास के साथ लगातार संपर्क में हैं और भारतीय समुदाय की स्थिति की नियमित रिपोर्ट प्राप्त कर रहे हैं। वहीं भारतीय दूतावास भी वॉट्सएप ग्रुप सहित कई तरीकों से भारतीय समुदाय और लोगों के संपर्क में है'

गौरतलब है कि सूडान में पिछले 6 दिन से देश की सेना और एक अर्धसैनिक समूह के बीच घातक संघर्ष जारी है, जिसमें कथित तौर पर करीब 100 लोग मारे जा चुके हैं। सूडान की राजधानी खार्तूम में जारी व्यापक हिंसा के बीच वहां भारतीय दूतावास ने सोमवार को जारी परामर्श में भारतीयों से घरों से बाहर नहीं निकलने व शांत रहने को कहा था। वहीं रविवार को दूतावास ने कहा था कि खार्तूम में गोली लगने से घायल हुए भारतीय नागरिक की मौत हो गई है।

खार्तूम में हिंसा शुरू होने के बाद जारी अपने दूसरे परामर्श में भारतीय मिशन ने कहा था, 'ताजा जानकारी के आधार पर दूसरे दिन भी संघर्ष कम नहीं हुआ है। हम भारतीयों से आग्रह करते हैं कि वे जहां हैं, वहीं पर रहें और बाहर न निकलें।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सूडान में करीब 4000 भारतीय रहते हैं।

सूडान की सेना ने अक्टूबर 2021 में तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था और तब से वह एक संप्रभु परिषद के माध्यम से देश चला रही है। सूडान पर नियंत्रण को लेकर देश की सेना तथा शक्तिशाली अर्द्धसैनिक बल के बीच लगातार खींचतान जारी है।